जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 249 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 10 जुलाई, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

दुनिया की सबसे छोटी और सर्वाधिक संकटग्रस्त मरीन डॉल्फिन्स में एक, हैक्टर्स' डॉल्फिन केवल न्यूज़ीलैण्ड के तटों पर पाई जाती हैं। न्यूज़ीलैण्ड के संरक्षण विभाग के अनुमान के अनुसार, आज के दिन एक वर्ष के ऊपर आयु की केवल 15,000 हैक्टर्स, डॉल्फिन जीवित हैं। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हैक्टर्स' डॉल्फिन को संकटग्रस्त के रूप में सूचिबद्ध किया गया है, क्योंकि सन् 2000 से इनकी संख्या लगातार घट रही है। इसी वर्ष एक जनसंख्या व्यवहार्यता विश्लेषण हुआ था जिसमें कहा गया था कि केवल तीन पीढ़ियों में इस प्रजाति में 74 प्रतिशत की गिरावट आएगी। हैक्टर्स' डॉल्फिन न्यूज़ीलैण्ड के नॉर्थ आयलैण्ड के पश्चिमी तटों के उथले पानी में ही रहती हैं। भूमि के इतने करीब रहने के कारण इन डॉल्फिन्स को ''बायकैच'' बनने का भारी खतरा है। अर्थात् मछलियों को पकड़ने के लिए डाले गए जालों में ये फंस जाती हैं। मछली पकड़ने के छोटे जहाजों में जो गिलनैट्स लगे होते हैं वो इनके लिए सबसे बड़ा खतरा माने जाते हैं। गिलनैट्स सबसे बड़ी समस्या हैं, क्योंकि ये बहुत पतली जाली के बने होते हैं जिन्हें पानी के अंदर डॉल्फिन देख नहीं पाती हैं। सन् 2000 और 2006 के बीच देशभर में हर वर्ष औसतन 110 से 150 डॉल्फिन्स गिलनैट्स में पकड़ी गईं। इसके अलावा तट के पास होने वाली मानवीय गतिविधियों के कारण कीटनाशकों के डॉल्फिन्स के आवासों तक पहुँचने का खतरा है, जिनमें पाई जाने वाली, पारा, सीसा व कैडमियम जैसी धातुएं इन जीवों के लिए खतरनाक हो सकती हैं। अन्य समुद्री जीवों की तरह हैक्टर्स' डॉल्फिन प्लास्टिक कचरे में फंसकर खतरे में पड़ सकती हैं, जिससे शिकार करने व परपक्षी से बचने की इनकी क्षमता कम हो सकती है। यही नहीं, परजीवियों के कारण होने वाला रोग, टैक्सोप्लास्मोसिस इनके लिए विशेष खतरा हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि, जितनी मृत हैक्टर्स' डॉल्फिन्स की जांच की गई उनमें से लगभग आधी उस पैरासाइट में ग्रस्त थीं जिनके कारण टैक्सोप्लास्मोसिस रोग होता है। सन् 1980 के दशक के उत्तरार्ध से न्यूज़ीलैण्ड सरकार ने, इन महत्वपूर्ण समुद्री स्तनपायियों के संरक्षण व वृद्धि के लिए दो संरक्षित क्षेत्र बनाए। हालांकि इनकी प्रभावशीलता की आलोचना की गई है, यह तर्क देकर कि, समुद्र में डॉल्फिन्स का जो प्राकृतिक आवास है वो संरक्षित क्षेत्र के आगे तक है और इस क्षेत्र की तकरीबन 65 प्रतिशत डॉल्फिन्स सर्दी के महीनों में संरक्षित क्षेत्र के बाहर पाई जाती हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे सरकारी आवास छोड़कर भागे

प्र.मंत्री विक्रमसिंघे ने इस्तीफा देने की इच्छा जाहिर की, जिससे सर्वदलीय ''नैशनल गवरमैंट'' बन सके

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जुलाई। राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के राष्ट्रपति महल छोड़कर भाग जाने और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के पद छोड़ने का ऑफर देने के बीच भारत के दक्षिणी पड़ोसी देश श्रीलंका में जनता के आज सड़कों पर उतर आने से संकट गहरा गया है।

श्रीलंकाई प्रधानमंत्री के कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे एक सर्वदलीय सरकार का मार्ग प्रशस्त करने के लिए इस्तीफा देने को तैयार हैं।

सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज होने के बाद यह बयान सामने आया। प्रदर्शनकारी शनिवार को राष्ट्रपति आवास पर घुसते उससे पूर्व ही वे अपना महल छोड़कर भाग गए।

2.2 करोड़ की आबादी वाला यह द्विपीय देश विदेशी मुद्रा की गंभीर कमी से जूझ रहा है। इस कमी ने ईंधन, खाद्यान्न और इकाईयों के उसके जरूरी आयातों को सीमित कर दिया है और देश वर्ष 1948 में मिली आज़ादी के बाद सबसे बुरे आर्थिक संकट में घिर गया हैं।

राजपक्षे के पद छोड़ने से इंकार किए जाने के कारण जहां आंदोलन जारी रखने को बाध्य होना पड़ा, वहीं आर्थिक संकट का ओर गंभीर होना जारी है। देश की दुर्दशा का दोष कई लोग राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को देते हैं। गत मार्च माह से हो रहे अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में उनके इस्तीफे की मांग की गई है।

इस द्विपीय राष्ट्र की वर्तमान स्थिति उन गलत नीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम है जिनका अनुसरण राजपक्षे सरकार करती आई हैं।

दिन की शुरूआत में, कोलंबो में हजारों प्रदर्शनकारी पुलिस बेरिकेड्स हटाते हुए राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास में घुस गए। इस संकटग्रस्त देश में इस वर्ष यह सरकार विरोधी सबसे बड़ी रैली थी।

स्थानीय टी.वी. न्यूज़, न्यूज़ फर्स्ट चैनल में दिखाई गई वीडियो फुटेज में कुछ प्रदर्शनकारियों को श्रीलंकाई ध्वज और हैलमैट्स हाथों में लेकर राष्ट्रपति आवास में घुसते दिखाया गया।

रक्षा मंत्रालय के दो सूत्रों ने बताया कि सप्ताहांत होने जा रही एक सुनियोजित रैली से पूर्व राष्ट्रपति को उनके आधिकारिक आवास से शुक्रवार को हटा लिया गया।

राष्ट्रपति आवास के भीतर से लिए गए एक फेसबुक लाइव स्ट्रीम में हजारों प्रदर्शनकारियों को, जिनमें से कुछ के पास झण्डे थे, कमरों और गलियों में एकत्रित दिखाया गया। ये लोग राजपक्षे के खिलाफ नारे लगा रहे थे।

इसके अलावा हजारों लोग औपनिवेशिक युग की इस सफेद इमारत के बाहर मैदान में एकत्रित हो गए।

अस्पताल के सूत्रों ने न्यूज़ एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि इसमें दो पुलिसकर्मियों सहित कम से कम 21 जने घायल हो गए और उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से आयी ताज़ा खबरों में बताया गया है कि हजारों लोग राष्ट्रपति के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कोलंबो के सरकारी आवास में जा घुसे और पुलिस के कई बेरिकेड्स तोड़कर राजपक्षे के आवास में पहुंच गए।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि पुलिस ने हवा में गोलियां चलाईं लेकिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शनिवार को दिन भर हजारों प्रदर्शनकारियों ने बैरीकेड तोड़ते हुए राष्ट्रपति के सरकारी निवास की ओर अग्रसर होना शुरू किया और आवास में घुसकर तथा कमरों में झांकते, नारे लगाते हुए वराण्डों में घूमते दिखे।
- रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति राजपक्षे को आवास से निकाला गया, जिससे वे सुरक्षित रह सकें।
- जनता के झुण्डों को राष्ट्रपति के राज प्रसाद में प्रवेश करने से रोकने के लिये पुलिस ने हवाई फायर भी किया, पर वह क्रुद्ध भीड़ को रोकने में असमर्थ रही।
- अफवाह यह है कि, राष्ट्रपति राजपक्षे पानी के जहाज पर सवार होकर श्रीलंका छोड़ चुके हैं।

पड़ोसी देशों में अपनी छवि सुधारने में लगा है चीन

बाली में आयोजित होने वाली जी-20 देशों की बैठक ने चीन के इन प्रयासों में और गति ला दी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दलाई लामा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने पर चीन की आलोचना को लेकर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि दलाई लामा भारत के एक सम्मानित अतिथि हैं और इस देश के लोग उनके जन्मदिन का जश्न मनाते हैं।

प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष भी दलाई लामा को शुभकामनाएं दी थी। भारत सरकार और उसके प्रतिनिधियों की दलाई लामा के साथ कैसी भी बातचीत से चीन क्रुद्ध हो जाता है औरजब अमेरिकी सरकार की किसी बड़ी से तिब्बति धर्म गुरू के साथ कोई वार्तालाप किया, तब भी चीन खफ़ा होता रहा हैं।

यूक्रेन युद्ध के बाद और रूस से पक्की दोस्ती के परिप्रेक्ष्य में चीन अपनी छवि सुधारने की कोशिश कर रहा हैं।

यूक्रेन पर रूस के एक तरफा विध्वंसकारी आक्रमण ने कई देशों के सकते में डाल दिया है। चीन के साथ अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में भी रूस से उसके निकट संबंध आक्रामरता की वैसी ही नकारात्मक भावनाएं जागृत करते हैं।

बाली में अगले सप्ताह होने जा रही जी-20 मीटिंग से पूर्व चीन बड़ी हताशा से अपने दक्षिण पूर्व एशियायी पड़ोसी देशों को अपना एक अधिक संवेदशील एवं मित्रवत पहलू प्रौजेक्ट करने की कोशिश कर रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांगली की फिलहाल हल क्षेत्र के 11 देशों की यात्रा पर हैं।

इस दौरे में इन देशों के साथ चीन के सम्पर्क को पुन: बहाल करना चाह रहे हैं। वैंग थाइलैण्ड के साथ एक समझौता करना चाहते हैं जिसके तहत लाओस होकर दोनों देशों के बीच एक रेल लिंक निर्मित किया जाएगा। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार व विनिमय बढ़ने की उम्मीद हैं।

यद्यपि यह रेल प्रौजेक्ट करीब पांच वर्ष पूर्व शुरू हो गया था, लेकिन वैश्विक महामारी तथा चीन और उसके इरादों को लेकर प्राय: व्यक्त की जाने वाली आशंका के मद्देनज़र इसका काम रूक गया था। चीन अब अपनी अच्छी छवि का प्रचार कर रहा है, खासतौर से वह यह समझा जा रहा है कि वह एक विशालकाय अर्थव्यवस्था है और उससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जैसा कि विदित ही है, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद, चीन द्वारा रूस के समर्थन में दिया गया, ''सदा मित्र रहेंगे'' का नारा चीन के छवि सुधार कार्यक्रम में खटक रहा है।
- और थाइलैण्ड, फिलीपिंस, म्यामांर (बर्मा), चीन के मित्रता का हाथ बढ़ाने के प्रयास को संदेह की दृष्टि से देख रहे हैं, पर, चीन के आर्थिक सम्बल के कारण चीन के मित्रता के हाथ को झटक भी नहीं रहे।

महाराष्ट्र विवाद

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जुलाई। सर्वोच्च न्यायालय की सोमवार की कॉज लिस्ट में शिवसेना के दोनों गुटों के बीच के विभिन्न विवादों की सुनवाई का उल्लेख नहीं है, जबकि दो अवकाशकालीन बैंचों ने 27 जून तथा 8 जुलाई को यही तय किया था।

अगर रात को कोई दूसरी पूरक सूची जारी नहीं होती तो सम्बन्धित केस मंगलवार के लिये जा सकते हैं। अदालत के ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद, सोमवार से नियमित बैंचे बैठने लगेंगी।

न्यायमूर्ति सूर्यकान्त तथा जमशेद बी पार्दीवाला की बैंच ने 27 जून को एकनाथ शिन्दे (अब मुख्यमंत्री) गुट को डिस्क्वालिफिकेशन से 12 जुलाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को होने वाली महाराष्ट्र विवाद की सुनवाई नहीं होगी, अब यह मंगलवार को हो सकती है।

अब अपने प्रसार के लिए दक्षिण को लक्ष्य बनाया भाजपा ने

चौकन्ने हो गए हैं, आंध्र के मु.मंत्री चन्द्रशेखर व तमिलनाडू के मुख्यमंत्री स्टालिन

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जुलाई। उत्तर-पूर्वी भारत को जीतने के बाद भाजपा ने अपनी नज़रें ऐसे क्षेत्र में अपनी जड़े जमाने पर लगा दी है जहां वह परम्परागत दी है जहां वह परम्परागत रूप से कमजोर है: अर्थात् दक्षिण भारत के पांच राज्य जहां कुल मिलाकर 130 लोक सभा सीटें हैं। पिछले लोक सभा चुनाव में भाजपा ने दक्षिण की कुल 13 लोक सभा सीटों में से सिर्फ 29 जीती थीं। इनमें से भी पार्टी ने 25 सीटें तो केवल कर्नाटक में ही जीती थी। दक्षिण भारत की कुल 923 विधानसभा सीटों में से भाजपा के वर्तमान में केवल 135 विधायक हैं और इनमें से भी 122 कर्नाटक से हैं। वर्ष 2024 के लोक सभा से पूर्व पड़ोसी राज्यों में कर्नाटक मॉडल लागू करने के उद्देश्य से भाजपा ने चुनावों का सामना करने जा रहे तेलंगाना और दक्षिणी राज्यों में आक्रामक अभियान छेड़ दिया है।

पार्टी ने इसी उद्देश्य को लेकर तमिलनाडु में एक तेज तर्रार पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी एवं चतुर के अन्नामलाई को जिम्मेवारी सौंपी है। राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी ए.आई.ए.डी.एम.के. में गंभीर भीतरघात की वजह से अन्त: विस्फोट हो रहे हैं। यहां भाजपा की उपस्थिति डी.एम.के. को काफी नर्वस करती रही है। तेलंगाना में वर्तमान मुख्यमंत्री एवं तेलंगाना राष्ट्र समिति (टी.आर.एस.) प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरूद्ध पहले ही एक व्यक्तिगत एवं आक्रामक अभियान छेड़ रखा है। प्रधानमंत्री जब पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भाग लेने के लिए हाल ही में हैदराबाद आए थे तब मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव उन्हें ने एयरपोर्ट पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर सुनियोजित तरीके से आगे बढ़ रही भाजपा दक्षिण भारत में राज्यसभा में नये सदस्यों के नामांकन, केरल में अखिल भारतीय स्तर के क्रिश्चियन नेताओं का सम्मेलन, तेलंगाना के युवा नेता कृष्णा रेड्डी को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में स्थान देने, तथा आक्रमक शैली वाले पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी अन्नामलाई को तमिलनाडू में संगठन का जिम्मा देने जैसे कार्यों से भाजपा की यह एकाग्रता स्पष्ट नजर आ रही है।

तीन फर्जी परीक्षार्थी गिरफ्तार

उदयपुर, 9 जुलाई (कासं)। शहर के सूरजपोल एवं प्रतापनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान ग्राम विकास अधिकारी की मुख्य परीक्षा देते तीन फर्जी परीक्षार्थियों को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने बताया कि जिले में शनिवार को ग्राम विकास अधिकारी की मुख्य परीक्षा के दौरान सूरजपोल एवं प्रतापनगर थाना क्षेत्र के तीन परीक्षा केन्द्रों पर फर्जी (डमी) अभ्यर्थियों के परीक्षा में शामिल होने की विश्वसनीय सूत्रों से सूचना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शहर की सूरजपोल एवं प्रतापनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान ग्राम विकास अधिकारी की मुख्य परीक्षा देते तीन फर्जी परीक्षार्थियों को गिरफ्तार किया।

2022 की जनवरी-मार्च तिमाही में गत वर्ष की तुलना में 182 प्रतिशत वृद्धि हुई विश्व पर्यटन में

इस वृद्धि को मद्दे नजर रखते हुए, अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन विशेषज्ञों की संस्था को पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन नीति के लिये रिपोर्ट तैयार करने का काम सौंपा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जुलाई। भविष्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय पैकेज के अन्तर्गत कई व्यवस्थाएं प्रस्तावित की गई हैं, जो इस प्रकार हैं- पर्यटन के विकास के लिये कॉर्पस फंड की स्थापना, घरेलू यात्रियों द्वारा किये जाने वाले खर्च पर टैक्स में छूट तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ाने के लिये, इस क्षेत्र को आतिथ्य स्टेटस प्रदान किया जाना।

यह उपाय नांगिया एण्डरसन एल.एल.पी ने भारत के पर्यटन क्षेत्र के पुनर्निर्माण पर किये गये ताजातरीन अध्ययन में प्रस्तावित की हैं।

यह फर्म एडंरसनग्लोबल की सदस्य फर्म हैं।

पर्यटन मन्त्रालय को प्रस्तुत किये गये इस अध्ययन में कहा गया है कि भारत का पर्यटन बाजार वित्तीय वर्ष 2020 में अनुमानत: 75 अरब डॉलर था। यह बढ़ाकर, वित्तीय वर्ष 2027 तक 125 अरब डॉलर तक पहुँचने की सम्भावना हैं।

वर्ष 2020 में, भारतीय पर्यटन क्षेत्र में 3.18 करोड़ रोजगार थे, जो देश के कुल रोजगारों के 7.3 प्रतिशत थे। वर्ष 2029 तक रोजगारों की संख्या 5.3 करोड़ तक पहुँचने की उम्मीद है। 2028 तक भारत में आने वाले अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या के 30.5 अरब तक पहुँचने की आशा हैं।

इस प्रस्ताव में पर्यटन उद्योग के विकास के लिये बहुत महत्वपूर्ण अवसर बताये गये है ताकि पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों तेजी से बढ़ रही माँग को पूरा किया जा सके तथा उद्योग की क्षमता को बढ़ाने के लिये निवेश के सम्भावित उपायों की व्यवस्था की जा सके।

प्रस्ताव कहता है कि सरकार को पर्यटन के लिये समर्पित कॉर्पस फंड सृजित करना चाहिये, जिससे मौजूदा तथा सम्भावित पर्यटन स्थलों तथा स्मारकों नवीनीकरण, मरम्मत एवं रखरखाव तथा विकास आदि का ध्यान सुनिश्चित किया जा सके। ऐसे पर्यटन स्थलों पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत है, जो पर्यटन उद्योग पर ही आश्रित हैं तथा इस क्षेत्र में पर्यटन उत्पादों को उचित रूप से विकसित करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। आवंटन के कुछ क्षेत्र हो सकते हैं-को स्टक रिवाइवल फन्ड, रिवरफ्रन्टेज इवलपमेंट या डवलपमैंट ऑफ वर्ल्ड क्लास इंडियन टूरिज्म प्रोडक्ट्स।

अध्ययन में यह अनुशंसा भी की गई है कि यात्रियों द्वारा देश के अन्दर किये जाने वाले खर्च पर एक निश्चित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- रिपोर्ट के अनुसार भारत सरकार एक ''कॉर्पस फण्ड'' बनाये, पर्यटन स्थलों के रख-रखाव, इन्फ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक व कार्यकुशल (एफिशिएन्ट) बनाने के लिये।
- साथ ही रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि, सरकार ''डोमैस्टिक टूरिज़्म'' को प्रोत्साहन देने के लिये, स्थानीय पर्यटकों को टैक्स में राहत (रिबेट) भी दे सरकार, जिससे टूरिज़्म में स्थानीय टूरिस्ट द्वारा खर्चे गए पैसे में वृद्धि हो।
- इन विशेषज्ञों का मानना है कि, अगर भारत अपने आप को कॉन्फ्रैंस आदि के लिये ''डैस्टिनेशन'' के रूप में सफलतापूर्वक ढंग से मार्केट कर लेता है तो अन्तर्राष्ट्रीय टूरिस्टों की संख्या 2028 तक 30.8 अरब पहुंच सकती है।

झुंझुनूं में कम्यूनिटी रेडियो

झुंझुनूं, 9 जुलाई (निसं)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने संस्था जिला पर्यावरण सुधार समिति, झुंझुनूं को रेडियो कम्यूनिटी की स्थापना के लिए स्वीकृति प्रदान की है।

संस्था सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि पिछले छह सालों से रेडियो स्टेशन की स्थापना के लिए संस्था प्रयासरत थी। जिला मुख्यालय पर पहली बार रेडियो स्टेशन की स्थापना की जाएगी, जिसका संचालन राजकीय राजकीय बालिका महल स्कूल के सामने, चौमालों की कुटिया के पास वार्ड नंबर 46 में किया जाएगा। इस रेडियो स्टेशन का संचालन जनता ही करेगी। स्थानीय कलाकार अपनी कला और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रचार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस रेडियो स्टेशन का नाम ''आपणो रेडियो झुंझुनूं की आवाज'' रखा गया है।